एक नजर में

नीमच में कांग्रेस में फिर से जान फूंकने की कवायद

नीमच। कांग्रेस सेवादल ने अपनी पुरानी मासिक झंडा वंदन परंपरा को फिर से शुरू किया है। इसी क्रम में रविवार को कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर सेवादल के सदस्यों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, सभी कांग्रेसजनों ने मिलकर झंडा वंदन किया, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत गाए, तथा ध्वज को सलामी दी। पदाधिकारियों का कहना है कि यह आयोजन पूर्व की परंपरा की तरह ही फिर से शुरू किया गया है ताकि कांग्रेस की एकजुटता बनी रहे। इस एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से ही अब इसे प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सेवादल जिला अध्यक्ष गजेंद्र यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती, जावेद दुर्रानी, ब्लॉक अध्यक्ष मोनू लोकस, राकेश अहीर, इलियास कुरेशी, हाजी बाबू सलीम, अरविंद चोपड़ा, मुकेश कालरा, ब्रजेश मित्तल, पीयूष चोपड़ा, भुवानसिंह सहित कई सेवादल सदस्य और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

135 सर्वसमाजजन हितग्राहियों ने लिया स्वास्थ लाभ

नीमच। जिला नीमच अंतर्गत रामपुरा नगर की अंजुमनाने कुल इस्लाम जमात वेल फेयर सोसायटी तथा ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल नीमच के तत्वाधान में शनिवार को विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य सर्जिकल शिविर का आयोजन रामपुरा के अंजुमन इस्लाम जमात परिसर में संपन्न हुआ, शिविर में रामपुरा सहित क्षेत्र के लगभग 135 सर्वसमाजजन हितग्राहियों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया, वहीं 7 हितग्राहियों को नि:शुल्क उच्च ईलाज हेतु ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल नीमच भी रेफर किया, शिविर के आयोजन की शुरुआत में ज्ञानोदय हॉस्पिटल से आए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत इस्लाम जमात सदर मोहम्मद सलीम पटेल सहित पदाधिकारी सदस्यों द्वारा फूलमाला से किया गया, इस अवसर पर इस्लाम जमात रामपुरा सदर मोहम्मद सलीम पटेल ने बताया कि, इंसानियत एवं मानवता की सेवा तथा सर्वसमाजजन के लिए यह नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है, जो कि अंजुमनाने कुल इस्लाम जमात वेल फेयर सोसायटी रामपुरा की ओर से अमन और शांति का संदेश है, निकट भविष्य में भी ऐसे जनकल्याण कार्यों का आयोजन हमारी कमिटी करती रहेगी। उक्त अवसर पर इस्लाम जमात रामपुरा सेक्रेटरी रईस हुसैन बाबर, वक्फ बोर्ड तहसील अध्यक्ष इकराम वारसी, हाफ़िज शकील अंसारी, मुबारिक भाई, स्थानीय निजी चिकित्सक गिरीश शुक्ला, चिकित्सक जाकिर खान, वरिष्ठ पत्रकारों में बंटी राठौर कमलेश मालवीय शंकर भाटी सहित बड़ी संख्या में इस्लाम जमात रामपुरा के पदाधिकारी सदस्य जन तथा वरिष्ठ नागरिक जन मौजूद रहें, शिविर का संचालन वक्फ बोर्ड तहसील अध्यक्ष इकराम वारसी तथा आभार व्यक्त सेक्रेटरी रईस हुसैन बाबर ने किया।

सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम वन समिति ने किया पौधारोपण

नीमच। वनमण्डल नीमच अन्तर्गत वनपरिक्षेत्र नीमच द्वारा सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक मनाया जा रहा है इसके तहत वन परिक्षेत्र नीमच के तत्वाधान में ग्राम वन समिति पिपलिया जागीर द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया गया। नीमच विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार की उपस्थिति में पौधारोपण संपन्न हुआ। इस मौके पर वनवनमंडलाधिकारी श्री एसके अटोदे, उप वनमंडलाधिकारी श्री दशरथ अखंड, वनपरिक्षेत्र अधिकारी श्री पीएल गहलोत, श्री मदन गुर्जर, ग्राम वन समिति पिपलिया जागीर अध्यक्ष श्रीमती लीलाबाई, जनपद सदस्य श्रीमती सुनीता लबाना, सरपंच हरवार श्री नरेंद्रसिंह जाट, सरपंच घसुंडी जागीर श्री अम्बालाल रावत, सरपंच अमावली जागीर श्री रमेश, श्री दिलीप सिंह चौहान एवं किशन अहिरवार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, वन समिति सदस्य एवं वन स्टाफ उपस्थित उपस्थित होकर पौधारोपण किया। वन विभाग की ओर से ग्राम वन समिति पिपलिया जागीर को सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए रसोई बनाने के लिए बर्तन विधायक श्री परिहार की उपस्थिति में दिए गए। अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा वनों के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सरपंच श्री मनोहर रावत ने किया।

मनासा से भादवा माता तक भव्य सातवीं चुनरी यात्रा का आयोजन

मनासा। जय माताजी गरबा उत्सव समिति के तत्वाधान में रविवार सुबह 10:00 बजे सातवीं चुनरी यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा भिल गली से प्रारंभ होकर उत्साह और श्रद्धा के साथ उषा गंज कॉलोनी, नारसिंह माता मंदिर, सदर बाजार, गांधी चौक, सब्जी मंडी, बस स्टैंड होते हुए भादवा माताजी मंदिर तक पहुँची। ढोल-ढमाकों, भक्ति गीतों और माताजी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने चुनरी यात्रा का स्वागत कर पुष्पवृष्टि की। महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा भक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए। माताजी के प्रति अटूट आस्था और उत्साह देखने को मिला इस चुनरी यात्रा में माताजी के भक्तों का अनुपम दृश्य दिखाई दिया।

32 स्थानों पर किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष शिविर

नीमच। जिले में आयोजित किया जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत आज 29 सितंबर को नीमच जिले की विभिन्न 32 शिक्षण संस्थानों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नीमच डॉ. आर.के . खद्योत ने बताया कि जिले में 17 सितंबर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 29 सितंबर को जिले में प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर के साथ ही 32 शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष स्वास्थ्य सह परामर्श शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डॉं खद्योत ने बताया कि आई आई टी डूंगलावदा, ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल, सिग्नगुड स्कूल, क्रिएटिव माइंड पब्लिक स्कूल, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, पटेल पब्लिक स्कूल, पटवा अकादमी, श्री कृष्णा कॉलेज, तिवारी कॉलेज सहित कुल 32 शासकीय, निजी स्कूलों, कॉलेजों, अकादमी में किशोरी बालिकाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में किशोरी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण के साथ ही अन्य स्वास्थ्य जांच की जाकर पोषण परामर्श, व्यक्तिगत स्वच्छता पर समझाइश भी दी जाएगी।

शारदीय नवरात्रि पर नीमच में निकली 75 फीट की भव्य चुनरी यात्रा

नीमच। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नीमच शहर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पुलकितानंद महादेव मंदिर से माता जगदम्बा के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए 75 फीट लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई। यह चुनरी मां जगदम्बा को समर्पित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए।

यात्रा की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं का हुजूम भक्ति गीतों और जयकारों के साथ मार्ग में आगे बढ़ा। यात्रा जैसे ही नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। यह यात्रा पुलकितानंद महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर धनेरिया रोड, संतोषी माता गली, अहीर मोहल्ला, फतेह चौक, होली चौक होते हुए नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ यात्रा का समापन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग संयोजिका रेखा वर्मा और विभाग नैतिक शिक्षा प्रमुख माया देव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए नवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया।

विहिप विभाग गौरक्षा प्रमुख लक्ष्मण राठौर ने जानकारी दी कि अब तक कुल 12 चुनरी यात्राएं निकाली जा चुकी हैं और यह परंपरा शारदीय एवं वासंती नवरात्रियों में निभाई जाती है।

इस अवसर पर मातृशक्ति सहसंयोजिका उर्वशी शाह, दुर्गा वाहिनी सहसंयोजिका प्रिया ग्वाला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तजन इस यात्रा में शामिल होकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु मां जगदम्बा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर नाबालिग बच्चों को ढूंढकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया

नीमच। महामाया भादवामाता मंदिर मे नवरात्रि पर्व होने से माताजी दर्शन व मेले मे बडी संख्या मे श्रद्धालु आ रहे है ऐसे में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नीमच सिटी निरी. विकास पटेल के नेतृत्व मे पुलिस टीम थाना नीमच सिटी द्वारा महामाया भादवामाता जी मंदिर मे माकुल व्यवस्था लगाई गयी है।

आज के दिन रविवार होने के साथ ही नवरात्री के 7 वे दिन 08 नाबालिक बच्चे, जो भीड अधिक होने से अपने परिवारजनो से दुर हो गये थे। नीमच पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही कर नाबालिग बच्चो को एक एक कर ढुढकर उनको परिजनो के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा इस प्रकार की व्यवस्था लगातार निरन्तर जारी रखी गयी है।

सराहनीय कार्य - उक्त कार्यवाही मे महामाया भादवामाता मंदिर व्यवस्था मे लगे पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा।

मालवा का वैष्णो देवी मंदिर बना आरोग्य तीर्थ लकवा, मिर्गी जैसे रोग ठीक होने का दावा

नीमच। मां शक्ति की आराधना का पर्व नवरात्रि चल रहे हैं। आपको दर्शन कराते हैं मालवा की वैष्णो देवी और आरोग्य देवी कही जाने वाली भादवामाता से। नीमच जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर इस मंदिर को आरोग्य तीर्थ भी कहते हैं। मान्यता है- यहां मौजूद प्राचीन बावड़ी के जल से लकवा, मिर्गी जैसे असाध्य रोग भी ठीक हो जाते हैं।

भदवा गांव में मंदिर स्थित होने के कारण इनका नाम भादवा माता पड़ा। यहां शुरुआत से मुख्य पुजारी भील समुदाय का ही रहा है। हालांकि, गांव में ब्राह्मण और भील दोनों समुदाय के लोग रहते हैं। मालवा की वैष्णो देवी के नाम से प्रसिद्ध है। सोमवार सुबह 10:30 बजे शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई।

मंदिर के पुजारियों ने परंपरागत रूप से ज्वारे बोए। इसके साथ ही ज्योत प्रज्ज्वलित कर आरती की गई। कार्यक्रम में विधायक दिलीपसिंह परिहार, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा और एसपी अंकित जायसवाल ने अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा चढ़ाई।

मंदिर में स्थित प्राचीन बावड़ी में सालभर पानी रहता है। यहां आने वाले भक्त इस बावड़ी में स्नान और आचमन करते हैं। इस पानी को बोतल में भरकर घर भी ले जाते हैं। इसके अलावा, रोग ग्रस्त अंग पर भस्म का लेप करते हैं। मन्नत मांगकर यहां श्रद्धालु कलावा भी बांधते हैं। सालभर यहां लकवा, चर्म रोग समेत अन्य असाध्य रोगों से पीड़ित आते हैं। श्रद्धालु यहां कई दिन तक रहते हैं। उनका मानना है कि भस्म लेपन, बावड़ी के जल और कलावा बांधने, मंदिर की परिक्रमा करने और माता की कृपा से रोग ठीक हो जाता है। कहा जाता है कि रोज रात को माता मंदिर में फेरा लगाती हैं। माता अपने भक्तों को आशीर्वाद देकर उन्हें निरोगी करती हैं।

जिंदा मुर्गा, बकरा तक चढ़ाते हैं श्रद्धालु

मन्नत पूरी होने पर भक्त माता को सोने-चांदी के छत्र, मुकुट, माला, टीका, नथ, कमर बंध, पायजेब, बिछिया, त्रिशूल, तलवार, चंवर, साड़ी, चुनरी, लहंगा, चोली, सोलह श्रृंगार, तोरण आदि चढ़ाते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य मनोरथ के लिए उनका मुंडन कर बाल चढ़ाए जाते हैं। कुंवारी कन्याएं पति की मनोकामना के लिए सोलह श्रृंगार और बीमार रोग ग्रस्त अंग के ठीक होने पर चांदी की प्रतिकृति बनाकर चढ़ाते हैं। मंदिर में बलि का रिवाज नहीं है। कुछ लोग जिंदा मुर्गा, बकरा भी यहां चढ़ाते हैं। इसके बाद ये प्राणी मंदिर परिसर में ही घूमते रहते हैं। हालांकि, प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी है। अब मंदिर में चांदी के बकरे और मुर्गे अर्पित किए जाते हैं।

नीमच के एएसपी नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से मंदिर में कई जगह सीसीटीवी लगाए गए हैं। 30 पुलिस, 10 चौकीदार और 10 प्राइवेट एजेंसी सहित करीब 50 लोग मेले की सुरक्षा में हैं। अष्टमी के दिन जिले के कई थाना प्रभारी सहित वरिष्ठ अधिकारी और 300 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

वीर क्रांतिकारी सरदार भगतसिंह की जयंती पर पर्यावरण मित्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

नीमच। स्वच्छता को आपनाना है शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाना है के उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा है पखवाड़े के तहत वीर क्रांतिकारी युवा शहीद सरदार भगतसिंह की जयंती पर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच द्वारा रविवार दिनांक 28 सितंबर को प्रात: 8 से 10 बजे तक कलेक्टर चोराहा स्थित संजीवनी वाटिका परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया अभियान के तहत संस्था सदस्यों ने परिसर से प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां पन्नी, गंदा कचरा आदि एकत्रित कर ढेर लगाए इसके पश्चात परिसर में रोपित पेड़ पौधों की देखभाल कर आसपास से कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई की गई, इस अवसर पर संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल ने बताया कि नीमच नसीराबाद मार्ग स्थित शिवाजी सर्कल से कलेक्टर चोराहा तक पहले सड़क के दोनों किनारों पर गन्दे कचरे के ढेर दिखाई देते थे आज सड़क के दोनों किनारों पर पेड़ दिखाई देते हैं, संस्था सदस्यों की कड़ी मेहनत से नीमच शहर को 5 नगर वन की सोगात दि गई है जो आमजन एवं शहरवासियों को शुद्ध वायु आक्सीजन प्रदान कर रहे हैं, संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा एवं मुख्य नपा अधिकारी सी एम ओ दुर्गा जी बामनिया से मांग की है कि ग्रीन बेल्ट परिसर के चारों ओर लगी फेसिंग तार को दुरुस्त करवा कर बाउंड्री के चारों ओर लगें सीमेंट पोल पर रंग रोगन करवाया जाए ताकि शहर की सुंदरता बढ सके जिसका लाभ स्वच्छता सर्वेक्षण में भी मिलेगा।

सभी गरबा शैली दिख रही डायमंड रोटरी डांडिया में

नीमच। गुजराती राजस्थानी बंगाली मराठी मालवी पंजाबी सभी गरबा शैली दिख रही डायमण्ड रोटरी डांडिया में, डांडिया संयोजक हेमंत भंडारी, कमल मंगल, दीपक मुंदडा, आशीष गर्ग बामन बर्डी, गौरव पाराशर ने संयुक्त रूप से बताया कि अरुल अशोक गंगानगर प्रेजेंट्स डायमंड रोटरी डांडिया - अंचल का एकमात्र भव्य गरबा आयोजन में गुजराती राजस्थानी बंगाली मराठी मालवी पंजाबी सहित पूरे देश के लगभग सभी प्रांतों की गरबा नृत्य शैली देखने को मिल रही है।

सारा भारत ये कहे देश में एका रहे, अखंड भारत की जो झलक इस गरबा आयोजन में दिखाई दे रही है वह पूरे अंचल में और कहीं नहीं। हर दिन के साथ डायमंड रोटरी डांडिया में भव्यता बढ़ती चली जा रही है। पंजाबी कुर्ता पजामा और महिलाओं का विशेष लुगड़ी, राजस्थानी साफा और गडरिया पोशाक, मालवीय साड़ी, बंगाली पीली लाल साड़ी, मराठी साफा और हाथ में मजीरा सहित विभिन्न तरह के परिधान और नृत्य शैली आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

झिलमिलाती रात दूधिया रोशनी में नहाया हुआ पंडाल डिस्को लाइट इको साउंड आरामदेह दर्शकदीर्घा भव्य बंगाली चमत्कारी मूर्ति सहित पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था जैसे कई विशेषताएं गरबा आयोजन को सबसे अलग बना रही है। केवल नीमच ही नहीं अपितु दूर-दूर से दर्शक गरबा आयोजन देखने आ रहे हैं। सवा सौ से अधिक रोटरी डायमंड के वॉलेंटियर्स चप्पे-चप्पे पर गरबा खेलने वाले और दर्शकों का विशेष ध्यान रखते हैं।

रोटरी डायमंड के वर्तमान अध्यक्ष सौरभ शर्मा, सचिव आशीष सैनी और कोषाध्यक्ष भुवनेश शर्मा ने बताया कि अतिथियों ने गरबा स्थल पर पहुंचकर सबसे पहले माता रानी की आरती की पश्चात अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

एक नजर साध्वी सौम्य प्रभा श्री जी की निश्रा में पंचान्हिका महोत्सव में उत्साह दिखाया समाज जनों ने

चातुर्मास धार्मिक अनुष्ठान, इंद्रदेव ने भी बरसाई वर्षा की कृपा सभी के चेहरे पर छाई प्रसन्नता

नीमच। साध्वी सौम्य दर्शना श्री जी मसा की निश्रा एवं श्री जैन श्वेतांबर महावीर जिनालय ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति विकास नगर के तत्वाधान में साध्वी सौम्य प्रभा श्री जी मसा आदि ठाणा 4के चातुर्मास में विजय वल्लभ सूरी जी महाराज साहब की पुण्यतिथि एवं श्री संघ में तपस्वियों की अनुमोदना के निमित्त पंचान्हिका जिन भक्ति महोत्सव का आयोजन 25 सितंबर से 29 सितंबर तक महावीर जिनालय विकास नगर आराधना भवन में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजित किया जा रहा है।

ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश जैन आंचलिया चातुर्मास समिति संयोजक राजमल छाजेड़ सचिव राजेंद्र बंबोरिया ने बताया कि रविवार सुबह 9बजे धन्ना शालिभद्र नाटिका का आयोजन आयोजित किया गया। इस अवसर विधि विधान धार्मिक अनुष्ठानों में विधि कारक बंटी बाफना विजयनगर अरुण आंचलिया एवं सुधीर जैन उन्हेल ने आदि एक से बढ़कर एक मधुर कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किए। विभिन्न वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया गया।पुजा के पाठ फल नैवेद्य चढ़ाए गए। पवित्र नदियां और तीर्थ पवित्र जल से विभिन्न मंत्रों का उच्चारण कर विभिन्न देवी देवताओं का आह्वान किया गया। 28 सितंबर रविवार को सुबह 9.15 बजे भव्य दिव्य धन्ना शाली भद्र की नाटिका का मंचन एवं दिव्या निदानों से परिपूर्ण देवलोक से 99 पेटिया का उतरने के सजीव चित्रण समाज के कलाकारों ने प्रभावी अभिनय प्रस्तुत किया जिसे देख सभी श्रावक श्राविकाओं की आंखें भर आई और सभी भाव विहल हो गए।

नाटिका मंचन में उपस्थित धर्मावलंबी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी सौम्य दर्शना श्री जी महाराज साहब ने कहा कि संसार में मनुष्य जन्म लेता है तो वह एक सामाजिक प्राणी की तरह अपना जीवन यापन करता है सबसे पहले वह शिक्षा प्राप्त करता है उसके बाद उसका विवाह होता है उसके बाद रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर अपने कर्म क्षेत्र में पुरुषार्थ का काम करता है जीन माता-पिता की संतान अपने कर्म नौकरी पैसा व्यवसाय के क्षेत्र में सेटल हो गई हो उन्हें संसार की सामाजिक जीवन को त्याग कर संयम जीवन की राह को अपना लेना चाहिए तभी उन्हें मोक्ष मार्ग मिल सकता है। तन्ना शलीभद्र नाटिका के माध्यम से कलाकारों ने यह नैतिक शिक्षा का संदेश दिया है कि संतान का विवाह और रोजगार के पश्चात हमें संसार को त्याग कर संयम नियम को जीवन में आत्मसात कर लेना चाहिए तभी हमारा कल्याण हो सकता है। सात खंड के अधिपति शलीभद्र ने अपनी 32 पत्तियों का त्याग कर संयम की राह को अपनाया था और अपने आत्म कल्याण का मार्ग तय किया था। शालीभद्र ने पिछले जन्म में एक संत को अपनी भूख प्यास को त्याग कर खीर आहार दान दिया था इसी का फल है था कि प्रतिदिन स्वर्ग से हीरे जवारात सोना चांदीआदि सामग्री की 99 पेटीयां उनके महल में उतरती थी और वह रोज दान दे देते था यह उनके पुण्य का ही प्रभाव था कि वह प्रतिदिन दान करते थे। नाटिका में राजा श्रेणीक का अभिनय राजेंद्र बंबोरिया , श्री भद्रा सेठानी का अभिनय निधि नागौरी, महारानी का अभिनय मंजूबाला बम्बोरिया ,मंत्री का अभिनय विशाल भामावत, मुनीम का विनय आशीष सुराणा, पंडित हितेश नागौरी और द्वारपाल सुरक्षा कर्मी पर्व हिंगड़ एवं पुनीत चौहान गौभद्रसेठ का अभिनय किरण सुराणा, भद्रा सेठानी का अभिनय, 32 धर्मपत्नियों का सुजल जैन, रुत्तव भामावत, आदि ने प्रभावी अभिनय प्रस्तुत किया। धन्ना सेठ और शालि भद्र ने अपने राजमहलों का त्याग कर संयम जीवन को आत्मसात कर लिया था जो आज भी संसार के लिए आदर्श प्रेरणादायक कदम है।संयम जीवन को अपनाये बिना आत्मा को मोक्ष नहीं मिलता है। कार्यक्रम के मध्य में 99 पटियो का भाग्यशाली ड्रा नंबर से निकाला गया और सभी को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।